विषय : अर्थशास्त्र (030)

अंक योजना – हिन्दी माध्यम

अत्यंत गोपनीय

(प्रश्न पत्र कोड - 58/5/1)

(केवल आंतरिक एवं सीमित उपयोग हेतु)

सीनियर सेकेंडरी स्कूल प्रमाणपत्र परीक्षा, 2026

सामान्य निर्देश: -

1	सीबीएसई ने 2026 की परीक्षा से कक्षा XII की उत्तर पुस्तिका के मूल्यांकन के लिए ऑन स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) शुरू करने का निर्णय लिया है।
2	आप जानते हैं कि उम्मीदवारों के वास्तविक और सही आकलन में मूल्यांकन सबसे महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी सी गलती भी गंभीर समस्याओं को जन्म दे सकती है, जिससे उम्मीदवारों, शिक्षा प्रणाली और शिक्षण पेशे के भविष्य पर गहरा असर पड़ सकता है। गलतियों से बचने के लिए, आपसे अनुरोध है कि मूल्यांकन शुरू करने से पहले, मौके पर किए गए मूल्यांकन के दिशानिर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें और समझें।
3	"मूल्यांकन नीति एक गोपनीय नीति है क्योंकि यह आयोजित परीक्षाओं, किए गए मूल्यांकन और कई अन्य पहलुओं की गोपनीयता से संबंधित है। किसी भी तरह से इसका सार्वजनिक होना परीक्षा प्रणाली को बाधित कर सकता है और लाखों उम्मीदवारों के जीवन और भविष्य को प्रभावित कर सकता है। इस नीति/दस्तावेज़ को किसी के साथ साझा करना, किसी पत्रिका में प्रकाशित करना और समाचार पत्र/वेबसाइट आदि में छापना बोर्ड के विभिन्न नियमों और आईपीसी के तहत कार्रवाई को आमंत्रित कर सकता है।"
4	मूल्यांकन अंकन योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार किया जाना चाहिए। यह किसी की व्यक्तिगत व्याख्या या अन्य किसी विचार के आधार पर नहीं किया जाना चाहिए। अंकन योजना का कड़ाई से पालन किया जाना चाहिए। हालांकि, मूल्यांकन करते समय, नवीनतम जानकारी या ज्ञान पर आधारित और/या नवीन उत्तरों की शुद्धता का अलग से मूल्यांकन किया जा सकता है और उन्हें उचित अंक दिए जा सकते हैं। कक्षा XII में, दो योग्यता-आधारित प्रश्नों का मूल्यांकन करते समय, कृपया दिए गए उत्तर को समझने का प्रयास करें और यदि उत्तर अंकन योजना के अनुसार नहीं है, लेकिन उम्मीदवार द्वारा सही योग्यता का उल्लेख किया गया है, तो उचित अंक दिए जाने चाहिए।
5	अंकन योजना में उत्तरों के लिए केवल सुझाए गए अंक दिए गए हैं। ये केवल दिशानिर्देश हैं और पूर्ण उत्तर नहीं हैं। छात्र अपनी अभिव्यक्ति दे सकते हैं और यदि अभिव्यक्ति सही है, तो तदनुसार अंक दिए जाने चाहिए।
6	मुख्य परीक्षक को पहले दिन प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता द्वारा मूल्यांकित की गई पहली पाँच उत्तर पुस्तिकाओं की जाँच करनी चाहिए, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि मूल्यांकन अंकन योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार किया गया है। यदि कोई भिन्नता पाई जाती है, तो विचार-विमर्श और चर्चा के बाद उसे शून्य कर दिया जाना चाहिए। शेष उत्तर पुस्तिकाएँ, जिनका मूल्यांकन किया जाना है, तभी दी जाएँगी जब यह सुनिश्चित हो जाए कि प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता के अंकन में कोई महत्वपूर्ण भिन्नता नहीं है।
7	मूल्यांकनकर्ता सही उत्तरों पर (√) चिह्न लगाएंगे। गलत उत्तरों पर 'X' का निशान लगाया जाएगा। मूल्यांकन करते समय मूल्यांकनकर्ता सही (✓) चिह्न नहीं लगाएंगे, जिससे यह आभास होगा कि उत्तर सही है और कोई अंक नहीं दिए जाएंगे। यह मूल्यांकनकर्ताओं द्वारा की जाने वाली सबसे आम गलती है।

8	यदि किसी प्रश्न के कई भाग हैं, तो कृपया प्रत्येक भाग के लिए OSM पोर्टल में दाईं ओर अंक दें। प्रश्न के विभिन्न भागों के लिए दिए गए अंकों को OSM सिस्टम द्वारा कुल मिलाकर जोड़ा जाएगा।
9	यदि किसी प्रश्न के कोई भाग नहीं हैं, तो OSM पोर्टल में बाईं ओर के हाशिये में अंक दिए जाने चाहिए। इसका सख्ती से पालन किया जाना चाहिए।
10	किसी त्रुटि के संचयी प्रभाव के लिए कोई अंक नहीं काटे जाएंगे। इसके लिए केवल एक बार ही दंड दिया जाना चाहिए।
11	उत्तर के लिए पूर्ण अंक प्रणाली <u>60</u> (उदाहरण के लिए प्रश्न पत्र में दिए गए 0 से 80/70/60/50/40/30 अंक) का उपयोग किया जाना है। यदि उत्तर उचित हो तो पूर्ण अंक देने में संकोच न करें।
12	प्रत्येक परीक्षक को अनिवार्य रूप से पूरे कार्य समय यानी प्रतिदिन 8 घंटे मूल्यांकन कार्य करना होगा और मुख्य विषयों में प्रतिदिन 20 उत्तर पुस्तिकाओं और अन्य विषयों में प्रतिदिन 25 उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करना होगा (विवरण स्पॉट दिशानिर्देशों में दिया गया है)। यह कम किए गए पाठ्यक्रम और प्रश्नपत्र में प्रश्नों की संख्या को ध्यान में रखते हुए किया गया है।
13	सुनिश्चित करें कि आप परीक्षक द्वारा अतीत में की गई निम्नलिखित सामान्य त्रुटियों को न दोहराएँ: • उत्तरों को सही चिह्नित करना, लेकिन अंक न देना। (सुनिश्चित करें कि सही निशान स्पष्ट रूप से लगा हो। यह केवल एक रेखा होनी चाहिए। गलत उत्तर के लिए X का निशान भी ऐसा ही होना चाहिए।) • उत्तर का आधा या आंशिक भाग सही और शेष गलत चिह्नित करना, लेकिन अंक न देना।
14	उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते समय यदि उत्तर पूरी तरह से गलत पाया जाता है, तो उसे क्रॉस (X) के रूप में चिह्नित किया जाना चाहिए और शून्य (0) अंक दिए जाने चाहिए।
15	वास्तविक मूल्यांकन शुरू करने से पहले परीक्षकों को "मौके पर मूल्यांकन के लिए दिशानिर्देश" में दिए गए दिशा-निर्देशों से स्वयं को परिचित कर लेना चाहिए।
16	निर्धारित प्रोसेसिंग शुल्क का भुगतान करने पर उम्मीदवारों को अनुरोध पर उत्तर पुस्तिका की फोटोकॉपी प्राप्त करने का अधिकार है। सभी परीक्षकों/अतिरिक्त मुख्य परीक्षकों/मुख्य परीक्षकों को एक बार फिर याद दिलाया जाता है कि उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि मूल्यांकन अंकन योजना में दिए गए प्रत्येक उत्तर के लिए निर्धारित अंकों के अनुसार ही किया जाए।
17	अगर कोई कैंडिडेट किसी सवाल में दोनों ऑप्शन आज़माता है, जहाँ सिर्फ़ एक ऑप्शन आज़माना ज़रूरी है, तो इवैल्यूएटर दोनों ऑप्शन में मार्क्स देगा। सिस्टम दो में से ज़्यादा वाला स्कोर लेगा और दूसरे जवाब को नज़रअंदाज़ कर देगा।
18	दो विकल्पों वाले प्रश्न में, यदि उम्मीदवार ने केवल एक का प्रयास किया है, तो मूल्यांकनकर्ता उस विकल्प के सामने “एनए” (प्रयास नहीं किया गया) चिह्नित करेगा जिसका उम्मीदवार द्वारा प्रयास नहीं किया गया है।

अंकन योजना हिन्दी माध्यम
सीनियर स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा, 2026
अर्थशास्त्र (विषय कोड –030)
[प्रश्न-पत्र कोड : 58/5/1]

अधिकतम अंक : 80

प्र.सं	अपेक्षित उत्तर/मूल्य बिंदु	अंक
	खण्ड - क **(समष्टि अर्थशास्त्र)**	
1.	"सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (MoSPI) सकल घरेलू उत्पाद (GDP) के आधार वर्ष में संशोधन कर रहा है। अर्थव्यवस्था में हो रहे संरचनात्मक परिवर्तनों को बेहतर ढंग से दर्शाने के लिए आधार वर्ष को समय-समय पर संशोधित किया जाता है। सकल घरेलू उत्पाद (GDP) के लिए नया प्रस्तावित आधार वर्ष 2022-23 है।" भारत सरकार द्वारा उठाया गया यह कदम _____ सकल घरेलू उत्पाद (GDP) में संशोधन के लिए है क्योंकि, इसे _____ मूल्यों पर मापा जाता है। (रिक्त स्थानों की पूर्ति के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए) (A) वास्तविक, स्थिर (B) मौद्रिक, वर्तमान (C) वास्तविक, वर्तमान (D) मौद्रिक, स्थिर **उत्तर. (A) वास्तविक, स्थिर**	**1**
2.	दिए गए चित्र के संदर्भ में, OL _____ को दर्शाता है। 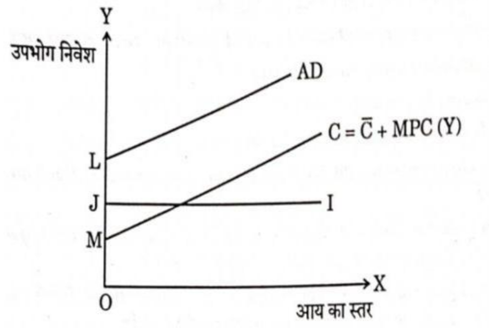 (रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए) (i) स्वायत्त उपभोग (ii) स्वायत्त निवेश (iii) प्रेरित उपभोग (iv) प्रेरित निवेश **विकल्प :** (A) केवल (i) (B) केवल (ii) (C) (i) और (ii) का योग (D) (i) और (iii) का योग **उत्तर. (C) (i) और (ii) का योग**	**1**
	नोट : *निम्नलिखित प्रश्न केवल* ***दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों*** *के लिए प्रश्न संख्या* ***2*** *के स्थान पर है।* _____ से तात्पर्य उस उपभोग से है, जो कि आय के स्तर से स्वतंत्र होता है। (रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए) (A) स्वायत्त उपभोग (B) प्रेरित उपभोग (C) समस्तर (Break-even level) (D) स्वायत्त निवेश और उपभोग **उत्तर. (A) स्वायत्त उपभोग**	**1**

3.	मुद्रा आपूर्ति एक ______ चर है क्योंकि, यह किसी विशेष समय पर ______ द्वारा रखी गई मुद्रा की कुल मात्रा को संदर्भित करता है। (रिक्त स्थानों की पूर्ति के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए) (A) स्टॉक, बैंक (B) प्रवाह, बैंक (C) स्टॉक, जनता (D) प्रवाह, जनता **उत्तर. (C) स्टॉक, जनता**	**1**
4.	नम्य विनिमय दर प्रणाली के अंतर्गत, विनिमय दर का निर्धारण ______ द्वारा किया जाता है। (i) सरकार (ii) माँग व आपूर्ति (iii) केंद्रीय बैंक के हस्तक्षेप (रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए) **विकल्प :** (A) केवल (i) (B) केवल (ii) (C) केवल (iii) (D) (ii) और (iii) **उत्तर. (B) केवल (ii)**	**1**
5.	मूल्य वर्धित विधि द्वारा राष्ट्रीय आय (NNP_{FC}) की गणना करने में निम्नलिखित चरण होते हैं : (i) GDP_{MP} से मूल्यह्रास व शुद्ध अप्रत्यक्ष करों को घटाकर घरेलू आय (NDP_{FC}) की गणना करना। (ii) प्रत्येक फर्म के GVA को जोड़कर GDP_{MP} का अनुमान लगाना। (iii) NNP_{FC} पर पहुँचने के लिए विदेशों से प्राप्त शुद्ध कारक आय का अनुमान लगाना और उसे NDP_{FC} में जोड़ना। (iv) उत्पादन इकाइयों को प्राथमिक, द्वितीयक व तृतीयक क्षेत्र में पहचानना व वर्गीकृत करना। चरणों की व्यवस्था का सही क्रम होगा : (सही विकल्प का चयन कीजिए) **विकल्प :** (A) (ii), (iii), (i), (iv) (B) (iv), (ii), (i), (iii) (C) (iv), (ii), (iii), (i) (D) (iii), (iv), (ii), (i) **उत्तर. (B) (iv), (ii), (i), (iii)**	**1**
6.	समग्र माँग (AD) में कमी के कारण एक अर्थव्यवस्था पूर्ण रोज़गार से नीचे के स्तर पर संचालित हो सकती है, जिससे ______ रोजगार संतुलन प्राप्त होता है। (i) पूर्ण (ii) अधि (iii) अल्प (रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए) **विकल्प :** (A) केवल (i) (B) केवल (ii) (C) केवल (iii) (D) (ii) और (iii) **उत्तर. (C) केवल (iii)**	**1**
7.	निम्नलिखित कथनों का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए: ***कथन I:*** सकारात्मक बाह्यताओं से तात्पर्य उन लाभों से है जो, एक फर्म/व्यक्ति दूसरों को प्रदान करता है, जिसके लिए उन्हें भुगतान की प्राप्ति होती है। ***कथन II :*** सकारात्मक बाह्यताओं की स्थिति में, किसी अर्थव्यवस्था का सकल घरेलू उत्पाद (GDP) वास्तविक कल्याण का अधि-आकलन कर सकता है। दिए गए कथनों के आलोक में, निम्नलिखित में से सही विकल्प का चयन कीजिए : (A) कथन I सत्य है और कथन II असत्य है। (B) कथन I असत्य है और कथन II सत्य है। (C) कथन I और II दोनों सत्य हैं। (D) कथन I और II दोनों असत्य हैं। **उत्तर. (D) कथन I और II दोनों असत्य हैं।**	**1**
8.	मान लीजिए कि, एक काल्पनिक अर्थव्यवस्था के लिए, आरक्षित अनुपात (RR) 25% से घट कर 20% हो जाता है। यदि प्राथमिक जमा राशि ₹ 1,000 है, तो कुल जमा राशि ______ कर ₹ ______ हो जाएगी। (रिक्त स्थानों की पूर्ति के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए)	

(A) बढ़, 5,000 (B) घट, 5,000
(C) बढ़, 4,000 (D) घट, 4,000

उत्तर. (A) बढ़, 5,000 **1**

9. निम्नलिखित कथनों : अभिकथन (A) और कारण (R) का अध्ययन कीजिए। नीचे दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए:

अभिकथन (A) : विदेशों से प्रेषण (remittances) को भुगतान संतुलन (BoP) के पूँजीगत खाते के क्रेडिट पक्ष में दर्ज किया जाता है।

कारण (R) : ऐसे सभी लेनदेन जिनके कारण शेष विश्व से विदेशी मुद्रा का अन्तर्प्रवाह होता है, भुगतान संतुलन (BoP) के क्रेडिट पक्ष में दर्ज किए जाते हैं।

विकल्प :

(A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सत्य हैं और कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या करता है।
(B) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सत्य हैं, परंतु कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।
(C) अभिकथन (A) सत्य है, परंतु कारण (R) असत्य है।
(D) अभिकथन (A) असत्य है, परंतु कारण (R) सत्य है।

उत्तर. (D) अभिकथन (A) असत्य है, परंतु कारण (R) सत्य है। **1**

10. किसी भी फर्म के लिए देनदारियाँ उसका ऋण/दूसरों पर उसका बकाया होता है। इसके विपरीत, बैंक के लिए _____ मुख्य देनदारी होती है/हैं।

(रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए)

(A) ऋण (B) भंडार (reserves)
(C) जमाएँ (D) सम्पत्तियाँ

उत्तर. (C) जमाएँ **1**

11. दिए गए आंकड़ों के आधार पर 'सम्पत्ति व उद्यमशीलता से आय' के मूल्य का आकलन कीजिए :

क्रम संख्या	***मदें***	***राशि (₹ करोड़ में)***
(i)	मजदूरी व वेतन	1,300
(ii)	किराया	700
(iii)	सामाजिक सुरक्षा योजना में नियोक्ता का योगदान	300
(iv)	रॉयल्टी	200
(v)	निगम कर	100
(vi)	ब्याज	350
(vii)	स्थायी पूँजी का उपभोग	50
(viii)	लाभांश	150
(ix)	निजी निगमित क्षेत्र की बचत	200

उत्तर. सम्पत्ति व उद्यमशीलता से आय = (ii)+ (iv) + (vi) + (v) + (ix) + (viii) **1 ½**
= 700+200 + 350 + 100 + 200 + 150 **1**
= ₹ 1,700 करोड़ **½**

3

12. (क) "रेपो दर व बैंक दर दो पृथक उपाय हैं, परन्तु उनमें से किसी में भी परिवर्तन से अर्थव्यवस्था में मुद्रा आपूर्ति पर एकसमान प्रभाव पड़ सकता है।"

अपने उत्तर के समर्थन में वैध स्पष्टीकरण देते हुए, दिए गए कथन का समर्थन अथवा खंडन कीजिए।

उत्तर. दिए गए कथन का समर्थन किया जाता है। रेपो दर और बैंक दर वे दर हैं जिन पर केंद्रीय बैंक, वाणिज्यिक बैंकों को ऋण देता है, मुख्य अंतर केवल अल्पकालीन और दीर्घकालीन आवश्यकताओं की शर्तों का है। इनमें से किसी में भी परिवर्तन का अर्थव्यवस्था में मुद्रा आपूर्ति पर एक समान प्रभाव होगा। केंद्रीय बैंक द्वारा रेपो/बैंक दर में कमी वाणिज्यिक बैंकों को अपनी ऋण की ब्याज दरें कम **3**

	करने के लिए प्रोत्साहित करेंगी, जिससे आम जनता के लिए ऋण अपेक्षाकृत सस्ता हो जाता है। इससे आम जनता द्वारा ऋण लेने को प्रोत्साहन मिलेगा। परिणामस्वरूप, मुद्रा की पूर्ति में वृद्धि होगी और इसका विपरीत भी होगा। (पूरे उत्तर को एक साथ अंकित किया जाए)	
(ख)	**अथवा** "भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) भारत में मुद्रा नोट जारी करने के लिए एकमात्र प्राधिकरण है, जिसमें ₹1 मूल्यवर्ग का अपवाद है, जिसे वित्त मंत्रालय द्वारा जारी किया जाता है।" क्या आप दिए गए कथन से सहमत हैं? इस मामले में भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) के एकाधिकार के पीछे के तर्काधार की व्याख्या कीजिए। **उत्तर. हाँ। भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) भारत में मुद्रा नोट जारी करने के लिए एकमात्र प्राधिकरण है, जिसमें ₹1 के नोट और सिक्के अपवाद है, जिन्हें वित्त मंत्रालय द्वारा जारी किया जाता है। RBI के इस एकाधिकार से नोटों के प्रचलन में एकरूपता सुनिश्चित होती है और यह मुद्रा प्रणाली में जनता के विश्वास को सुदृढ़ करता है। इसके अतिरिक्त, यह RBI को मुद्रा की पूर्ति को प्रभावी रूप से नियंत्रित करने तथा रुपये (₹) के मूल्य की स्थिरता बनाए रखने में सक्षम बनाता है।** **(पूरे उत्तर को एक साथ अंकित किया जाए)**	3
13.	(क) भुगतान संतुलन (BoP) खाते को परिभाषित कीजिए। **उत्तर. भुगतान संतुलन (BoP) खाता, एक निश्चित समय अवधि (सामान्यतया एक वर्ष) के लिए एक देश के निवासियों और शेष विश्व के बीच वस्तुओं, सेवाओं और परिसंपत्तियों से संबंधित लेन-देन का अभिलेख होता है।**	1
	(ख) भुगतान संतुलन (BoP) में स्वायत्त लेनदेन व समायोजन लेनदेन के मध्य अंतर स्पष्ट कीजिए। **उत्तर. स्वायत्त लेन-देन वे अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक लेन-देन होते हैं जो भुगतान संतुलन (BoP) की स्थिति से स्वतंत्र होते हैं। ये लेन-देन सामान्यतः 'आर्थिक उद्देश्य' से किए जाते हैं। ऐसे लेन-देनो को भुगतान संतुलन खाते में 'रेखा से ऊपर' (Above the Line) की मदें कहा जाता है।**	1½
	जबकि; **समायोजक लेन-देन वे अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक लेन-देन होते हैं जिन्हें भुगतान संतुलन (BoP) में अधिशेष या घाटे को पूरा करने के लिए सक्षम प्राधिकरणों द्वारा किया जाता है। ये लेन-देन किसी भी आर्थिक उद्देश्य से स्वतंत्र होते हैं। ऐसे लेन-देनो को भुगतान संतुलन खाते में 'रेखा से नीचे' (Below the Line) मदें कहा जाता है।**	1½
		4
14. (क)	टेक इन्फो लिमिटेड नामक एक कंपनी प्रिंटरों का निर्माण करती है। यह प्रिंटर बनाने के लिए जर्मनी से मशीनों का क्रय करती है। ये प्रिंटर घरेलू व विदेशी बाज़ारों में गृहस्थों तथा व्यापारियों को विक्रय किए जाते हैं। क्रय की गई मशीनरी व निर्मित प्रिंटर दोनों को अंतिम वस्तुओं के रूप में वर्गीकृत किया जा सकता है। क्या आप दिए गए कथन से सहमत हैं? अपने उत्तर के समर्थन में वैध तर्क दीजिए। **उत्तर: नहीं।** **अंतिम वस्तुएँ:**	
	• **प्रिंटर बनाने के लिए खरीदी गई मशीनरी**	1
	• **गृहस्थों को बेचा गया प्रिंटर**	1
	मध्यवर्ती वस्तु: • **व्यापारियों (डीलर) को बेचा गया प्रिंटर**	1
	अंतिम वस्तुएँ वे वस्तुएँ होती हैं जिनका उपयोग या तो उपभोग के लिए या निवेश के उद्देश्य से किया जाता है।	½
	जबकि, मध्यवर्ती वस्तुएँ वे वस्तुएँ होती हैं जिनका उपयोग या तो उत्पादन के लिए किया जाता है या उसी वर्ष पुनर्विक्रय के लिए किया जाता है।	½
	अथवा	**4**
(ख)	(i) सकल निवेश को परिभाषित कीजिए। **उत्तर. सकल निवेश से तात्पर्य पूंजी स्टॉक में होने वाली उस वृद्धि से है, जिसमें पूंजी के स्टॉक पर होने वाले घिसावट और टूट-फूट के प्रतिस्थापन को भी शामिल किया जाता है।**	1

(ii) दिए गए चित्र में दर्शाए गए सकल निवेश के किन्हीं दो घटकों की पहचान कीजिए।

सकल निवेश

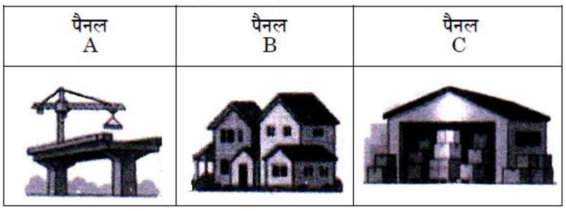

उत्तर. दिए गए चित्र में दर्शाए गए दो घटक हैं:

- **सकल सार्वजनिक निवेश** ½
- **सकल आवासीय निर्माण निवेश** ½

(अन्य किसी प्रासंगिक घटक के लिए भी अंक प्रदान किए जाए)

(iii) सकल निवेश के किसी एक घटक की संक्षेप में व्याख्या कीजिए।

उत्तर. सकल सार्वजनिक निवेश से तात्पर्य सरकार द्वारा सड़कों, बाँध, फ्लाईओवर आदि जैसी स्थायी परिसंपत्तियों के निर्माण पर किए गए व्यय से है। 2

(अन्य किसी प्रासंगिक घटक के लिए भी अंक प्रदान किए जाए)

4

नोट : निम्नलिखित प्रश्न केवल दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए प्रश्न संख्या 14 (ख) के स्थान पर है।

सकल निवेश के किन्हीं दो घटकों की व्याख्या कीजिए।

उत्तर. सकल निवेश के दो घटक हैं:

- **सकल सार्वजनिक निवेश से तात्पर्य सरकार द्वारा सड़कों, बाँध, फ्लाईओवर आदि जैसी स्थायी परिसंपत्तियों के निर्माण पर किए गए व्यय से है।** 2
- **सकल आवासीय निर्माण निवेश से तात्पर्य गृहस्थों द्वारा आवासीय मकानों और भवनों के निर्माण पर किए गए निवेश से है।** 2

4

15. निम्नलिखित गद्य का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए:

"घरेलू निजी उपभोग व निवेश को प्रोत्साहित करके विकास गति में सुधार लाने के उद्देश्य से, भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) द्वारा नकद आरक्षित अनुपात (CRR) में 100 आधार अंकों (1%) की कटौती की घोषणा की गई है।"

उपर्युक्त गद्य तथा सामान्य ज्ञान के आधार पर, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(i) भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) द्वारा उठाए गए इस कदम के पीछे के संभावित कारण की व्याख्या कीजिए।

उत्तर. भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) द्वारा नकद आरक्षित अनुपात (CRR) में कमी किए जाने का संभावित कारण अर्थव्यवस्था में निजी उपभोग और निवेश को प्रोत्साहित करना है, जिससे न्यून मांग/अवस्फीति को नियंत्रित किया जा सके। 2

(ii) समग्र माँग (AD) पर भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) द्वारा उठाए गए कदम के प्रभाव को संक्षेप में समझाइए।

उत्तर. भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) द्वारा नकद आरक्षित अनुपात (CRR) में कमी करने से वाणिज्यिक बैंकों के पास कोषों की उपलब्धता बढ़ सकती है। इससे वाणिज्यिक बैंकों की ऋण देने की क्षमता बढ़ सकती है। परिणामस्वरूप, अर्थव्यवस्था में मुद्रा की पूर्ति और समग्र माँग (AD) में वृद्धि होती है, जिससे अंततः न्यून मांग की समस्या का समाधान होता है। 2

4

16. (क) मान लीजिए, किसी काल्पनिक अर्थव्यवस्था के लिए, निम्नलिखित आँकड़े दिए गए हैं:

आय (Y)	उपभोग (C)	निवेश (I)	समग्र माँग (AD)
0	40	20	60
100	120	20	-
200	200	20	-
300	280	20	300

(i) दी गई तालिका में लुप्त मानों (missing values) की गणना कीजिए।

उत्तर.

आय (Y)	उपभोग (C)	निवेश (I)	समग्र माँग (AD)
0	40	20	60
100	120	20	**140**
200	200	20	**220**
300	280	20	300

½
½

(ii) 'प्रभावी माँग' को परिभाषित कीजिए।

उत्तर. प्रभावी मांग से तात्पर्य समग्र मांग के उस स्तर से है जिसे अर्थव्यवस्था में संबंधित समग्र पूर्ति द्वारा पूरा किया जा सकता है। 2

(iii) दिए गए आंकड़ों के आधार पर, यह कहा जा सकता है कि आय का संतुलन स्तर 200 है।
क्या आप सहमत हैं ? यदि नहीं, तो आय के संतुलन स्तर को प्राप्त करने के लिए अपनाई जाने वाली समायोजन प्रक्रिया की व्याख्या कीजिए।

उत्तर. नहीं। आय (Y) के 200 स्तर पर, समग्र मांग (AD), समग्र पूर्ति (AS) से अधिक है।
जब नियोजित समग्र मांग, नियोजित समग्र पूर्ति से अधिक होती है, तो इसका अर्थ है कि गृहस्थ और फर्में जितना उपभोग करने की योजना बना रही हैं, वह फर्मों द्वारा उत्पादन की योजना से अधिक है। परिणामस्वरूप, माल सूची (inventories) वांछित स्तर से नीचे गिर जाएगी। वांछित स्तर पर माल सूची को पुनः स्थापित करने के लिए उत्पादक, उत्पादन तब तक बढ़ा सकते हैं जब तक कि संतुलन पुनः प्राप्त न हो जाए। 3
(पूरे उत्तर को एक साथ अंकित किया जाए)

अथवा 6

(ख) मान लीजिए कि, किसी अर्थव्यवस्था में, निवेश व्यय में प्रत्येक ₹1 की वृद्धि से राष्ट्रीय आय में ₹4 की वृद्धि होती है।
निम्नलिखित की गणना कीजिए:
(i) निवेश गुणक (K) का मूल्य।

उत्तर. दिया गया है, निवेश व्यय में परिवर्तन (ΔI) = ₹ 1
राष्ट्रीय आय में परिवर्तन (ΔY) = ₹ 4

निवेश गुणक (K) $= \frac{\Delta Y}{\Delta I}$ ½

$= \frac{4}{1} = 4$ ½

(ii) उपभोग व्यय में परिवर्तन, यदि आय ₹ 400 से ₹ 500 हो जाती है।

उत्तर. दिया है, आय (Y) ₹ 400 से ₹ 500 हो जाती है
आय में परिवर्तन (ΔY) = 100

निवेश गुणक (K) $= \frac{1}{1-MPC}$ 1

$4 = \frac{1}{1-MPC}$

$MPC = 0.75$ ½

जैसा कि हम जानते है, $MPC = \frac{\Delta C}{\Delta Y}$ 1

उपभोग में परिवर्तन $(\Delta C) = 0.75 \times 100$

$= ₹\ 75$ ½

	(iii) "सीमांत उपभोग प्रवृत्ति (MPC) व सीमांत बचत प्रवृत्ति (MPS) का योग सदैव इकाई के बराबर होता है।" उपयुक्त तर्क की सहायता से दिए गए कथन की पुष्टि कीजिए। **उत्तर. हम जानते है कि, अर्जित आय का या तो उपभोग किया जाता है या उसकी बचत की जाती है। अर्थात्;** $Y = C + S$ **आय में परिवर्तन (ΔY) = उपभोग में परिवर्तन (ΔC) + बचत में परिवर्तन (ΔS)** $\Delta Y = \Delta C + \Delta S$ **दोनों पक्षों को ΔY से विभाजित करने पर** $\frac{\Delta Y}{\Delta Y} = \frac{\Delta C}{\Delta Y} + \frac{\Delta S}{\Delta Y}$ $1 = MPC + MPS$ **अतः, सीमांत उपभोग प्रवृत्ति (MPC) और सीमांत बचत प्रवृत्ति (MPS) का योग सदैव 1 के बराबर होता है।**	½ ½ ½ ½
		6
17.	निम्नलिखित गद्य का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए: आर्थिक सर्वेक्षण 2024 - 25 के अनुसार, वित्त वर्ष 2025 - 26 के लिए सरकार के बजट अनुमानों में यह इंगित किया गया है कि, सकल प्रत्यक्ष कर राजस्व में 12.7% की वृद्धि होगी, जबकि सकल अप्रत्यक्ष कर संग्रह वित्त वर्ष 2024-25 की तुलना में 8.3% से बढ़ने की संभावना है। प्रत्यक्ष करों में आयकर व निगम कर सम्मिलित होते हैं, जो कि गृहस्थों व फर्मों द्वारा अर्जित आय व लाभ को दर्शाते हैं। ये सरकार की राजस्व वृद्धि में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अप्रत्यक्ष करों में वस्तु व सेवा कर (GST), सीमा शुल्क व अन्य लेनदेन-आधारित शुल्क सम्मिलित होते हैं। प्रत्यक्ष करों के लिए अनुमानित उच्च वृद्धि दर बेहतर अनुपालन व सुधारों के माध्यम से कर उत्प्लावन (Tax Buoyancy) की वृद्धि की दिशा में एक कदम है। दूसरी ओर, अप्रत्यक्ष करों को उपभोग प्रवृत्तियों व वस्तु व सेवा कर (GST) प्रशासन में सुधार से लाभान्वित होने की उम्मीद है। एक संतुलित कर रणनीति का उद्देश्य राजकोषीय सुदृढ़ीकरण व सतत आर्थिक विकास को समर्थन देते हुए संसाधन जुटाना है। उपर्युक्त गद्य तथा सामान्य ज्ञान के आधार पर, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : (i) उपर्युक्त गद्य में इंगित दो प्रकार के करों के मध्य उपयुक्त उदाहरणों सहित अंतर स्पष्ट कीजिए। **उत्तर. उपर्युक्त गद्य में इंगित किए गए दो प्रकार के कर प्रत्यक्ष कर और अप्रत्यक्ष कर हैं।** **प्रत्यक्ष कर वे कर होते हैं जिनका प्रभाव और भार एक ही व्यक्ति/संस्था पर पड़ता है। दूसरे शब्दों में, प्रत्यक्ष करों के भुगतान की देयता को दूसरे पर नहीं टाला जा सकता है।** **उदाहरण: आयकर आदि।** **जबकि;** **अप्रत्यक्ष कर वे कर होते हैं जिनका प्रभाव और भार अलग-अलग व्यक्तियों/संस्थाओं पर पड़ सकता है। दूसरे शब्दों में, अप्रत्यक्ष करों के भुगतान की देयता को दूसरे पर टाला जा सकता है।** **उदाहरण: वस्तु एवं सेवा कर (GST) आदि।** **(अन्य किसी प्रासंगिक उदाहरण के लिए भी अंक प्रदान किए जाए)** (ii) सरकार द्वारा दिए गए कर अनुमानों के संभावित परिणामों की विस्तार से व्याख्या कीजिए। **उत्तर. प्रत्यक्ष करों के लिए अनुमानित उच्च वृद्धि दर यह दर्शाती है कि बेहतर कर अनुपालन और सुधारात्मक उपायों के माध्यम से कर-उत्प्लावन (tax buoyancy) बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है, जबकि अप्रत्यक्ष करों में उपभोग की प्रवृत्तियों और वस्तु एवं सेवा कर (GST) प्रशासन में सुधारों से लाभान्वित होने की उम्मीद है।** **(पूरे उत्तर को एक साथ अंकित किया जाए)**	1 ½ ½ 1 ½ ½ 2
		6
	खण्ड ख **भारतीय आर्थिक विकास**	
18.	विभिन्न औद्योगिक प्रभागों में कार्यरत व्यक्तियों को तीन प्रमुख क्षेत्रों में वर्गीकृत किया जा सकता है -प्राथमिक क्षेत्र, द्वितीयक क्षेत्र तथा तृतीयक क्षेत्र।	

पहचान कीजिए कि, निम्नलिखित में से कौन-सा विकल्प प्राथमिक क्षेत्र को दर्शाता है।
(A) कृषि
(B) कृषि, खनन व उत्खनन
(C) कृषि, विद्युत, गैस व जल आपूर्ति
(D) परिवहन व भंडारण
उत्तर. (B) कृषि, खनन व उत्खनन 1

19. निम्नलिखित कथनों का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए:
कथन I: भारत के व्यवस्थित विऔद्योगीकरण के पीछे औपनिवेशिक सरकार के दोहरे ध्येय थे।
कथन II: अंग्रेज़ों ने भारत को अपने आधुनिक उद्योगों के लिए कच्चे माल के आयातक मात्र तक सीमित कर दिया था।
दिए गए कथनों के आलोक में, निम्नलिखित में से सही विकल्प का चयन कीजिए:
(A) कथन I सत्य है और कथन II असत्य है।
(B) कथन I असत्य है और कथन II सत्य है।
(C) कथन I और II दोनों सत्य हैं।
(D) कथन I और II दोनों असत्य हैं।
उत्तर. (A) कथन I सत्य है और कथन II असत्य है। 1

20. निम्नलिखित तालिका एक गाँव में जनसंख्या व श्रमिकों के वितरण को प्रदर्शित करती है:

कुल जनसंख्या	उन व्यक्तियों की संख्या जो कार्य में इच्छुक व सक्षम हैं	उन व्यक्तियों की संख्या जो कार्यरत (नियुक्त) हैं
2000	1200	800

गाँव के लिए श्रमिक - जनसंख्या अनुपात _____ % होगा।
(रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए)
(A) 80 (B) 40
(C) 60 (D) 20
उत्तर. (B) 40 1

21. पहचान कीजिए कि निम्नलिखित में से कौन-सी धारणीय विकास की एक रणनीति ***नहीं*** है।
(सही विकल्प का चयन कीजिए)
(A) सौर पैनलों का उपयोग
(B) जैव-कीट का उपयोग
(C) विद्युत उत्पादन के लिए कोयले का उपयोग
(D) लघु-जल-विद्युत संयंत्रों का उपयोग
उत्तर. (C) विद्युत उत्पादन के लिए कोयले का उपयोग 1

22. ग्रामीण क्षेत्रों में, पशुधन, मत्स्यपालन व अन्य गैर-कृषि गतिविधियों जैसे नवीन क्षेत्रों की ओर विविधीकरण _____ के लिए आवश्यक है।
(i) कृषि क्षेत्र में जोखिम को कम करने
(ii) असंवहनीय (unsustainable) आजीविका विकल्प प्रदान करने
(iii) पूरक रोजगार प्रदान करने (रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए)
विकल्प :
(A) केवल (i) (B) (i) और (ii)
(C) (i) और (iii) (D) (i), (ii) और (iii)
उत्तर. (C) (i) और (iii) 1

23. स्वयं-सहायता समूह (SHGs) का प्रादुर्भाव औपचारिक साख प्रणाली में रह गई कमियों को दूर करने के लिए हुआ है, क्योंकि ये _____। (रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए)
(A) उपयुक्त जमानत (collateral) प्राप्त करने के बाद ऋण देते हैं
(B) उच्च ब्याज दर पर ऋण देते हैं

	(C) बड़े अनुपात में मितव्ययिता को प्रोत्साहन देते हैं (D) प्रायः सदस्यों को जमानत मुक्त ऋण प्रदान करते हैं **उत्तर. (D) प्रायः सदस्यों को जमानत मुक्त ऋण प्रदान करते हैं**	1
24.	1950 में भारत सरकार द्वारा, संसाधनों के सबसे प्रभावी व संतुलित उपयोग के लिए योजनाएँ लागू करने के लिए _____ की स्थापना की गई थी। (रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए) (A) नीति आयोग (B) योजना आयोग (C) कर्वे समिति (D) विश्व व्यापार संगठन **उत्तर. (B) योजना आयोग**	1
25.	औपनिवेशिक शासन के दौरान निर्यात अधिशेष का उपयोग अंग्रेज़ों द्वारा _____ किया गया। (i) भारत में सोना व चाँदी लाने के लिए (ii) युद्ध का व्यय उठाने के लिए (iii) अदृश्य मदों के आयात के लिए (रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए) **विकल्प :** (A) केवल (i) (B) (i) और (ii) (C) (i) और (iii) (D) (ii) और (iii) **उत्तर. (D) (ii) और (iii)**	1
26.	निम्नलिखित कथनों : अभिकथन (A) और कारण (R) का अध्ययन कीजिए। नीचे दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए : ***अभिकथन (A):*** भारत विभिन्न क्षेत्रीय व आर्थिक समूहों जैसे ब्रिक्स, जी-20 आदि का सदस्य है। ***कारण (R) :*** आर्थिक व क्षेत्रीय समूहों की सदस्यता किसी राष्ट्र को अन्य राष्ट्रों की तुलना में अपनी शक्तियों व कमजोरियों को समझने में सहायता करती है। **विकल्प :** (A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सत्य हैं और कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या करता है। (B) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सत्य हैं, परंतु कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या ***नहीं*** करता है। (C) अभिकथन (A) सत्य है, परंतु कारण (R) असत्य है। (D) अभिकथन (A) असत्य है, परंतु कारण (R) सत्य है। **उत्तर. (A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सत्य हैं और कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या करता है।**	1
27.	2009 में, भारत सरकार ने 6 - 14 वर्ष की आयु वर्ग के सभी बच्चों के लिए निःशुल्क शिक्षा को मौलिक अधिकार बनाने के लिए _____ पारित किया था। (रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए) (A) मध्याह्न भोजन योजना (B) जन धन योजना (C) तपस मजूमदार समिति (D) शिक्षा का अधिकार अधिनियम **उत्तर. (D) शिक्षा का अधिकार अधिनियम**	1
28.	"समानता के साथ संवृद्धि" के योजना उद्देश्य की व्याख्या कीजिए। **उत्तर: संवृद्धि से तात्पर्य किसी देश में वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन की क्षमता में वृद्धि से है, जबकि; समानता (equity) से अभिप्राय आय और संपत्ति की असमानता को कम करने से है। इस प्रकार, समानता के साथ संवृद्धि यह सुनिश्चित करती है कि आर्थिक विकास के लाभ समाज के सभी वर्गों द्वारा प्राप्त किए जाएँ। अर्थशास्त्रियों का मानना है कि सकल घरेलू उत्पाद (GDP) में संवृद्धि और आय के वितरण में समता दोनों समान रूप से महत्वपूर्ण हैं। अतः समानता के साथ संवृद्धि सुनिश्चित करना भारतीय आर्थिक नियोजन का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य बनाया गया।** **(पूरे उत्तर को एक साथ अंकित किया जाए)**	3

29. (क) "स्वतंत्रता के समय, भारत व पाकिस्तान दोनों को समान औपनिवेशिक आर्थिक संरचनाएँ विरासत में मिली थीं। दोनों राष्ट्रों ने आर्थिक नियोजन की कई एक जैसी रणनीतियाँ अपनाई थीं।"
भारत व पाकिस्तान के विकास पथ में ऐसी किन्हीं दो समानताओं की व्याख्या कीजिए।

उत्तर. भारत और पाकिस्तान द्वारा अपनाई गई दो समान विकासात्मक रणनीतियाँ निम्नलिखित हैं:

- **दोनों देशों ने सार्वजनिक तथा निजी क्षेत्र को सम्मिलित करते हुए मिश्रित अर्थव्यवस्था के मार्ग का अनुसरण किया है।** 1½
- **भारत और पाकिस्तान दोनों ने ही अपने घरेलू उद्योगों को विदेशी प्रतिस्पर्धा से बचाने के लिए आयात प्रतिस्थापन नीति अपनाई।** 1½

(अन्य किसी प्रासंगिक रणनीति के लिए भी अंक प्रदान किए जाए)

अथवा 3

(ख) "1958 में, चीन ने एक निश्चित उद्देश्य के साथ ग्रेट लीप फॉरवर्ड (GLF) अभियान प्रारंभ किया।"
(i) ग्रेट लीप फॉरवर्ड (GLF) अभियान की शुरुआत के पीछे का तर्काधार बताइए।

उत्तर. ग्रेट लीप फॉरवर्ड (GLF) अभियान की शुरुआत के पीछे का तर्क चीन में बड़े पैमाने पर औद्योगीकरण को बढ़ावा देना था। लोगों को अपने घरों के पिछवाड़े में उद्योग स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। 2

(ii) ग्रेट लीप फॉरवर्ड (GLF) अभियान की किन्हीं दो विफलताओं का उल्लेख कीजिए।

उत्तर: ग्रेट लीप फॉरवर्ड (GLF) अभियान की दो विफलताएँ निम्नलिखित थी:

- **भीषण सूखे ने चीन में भारी तबाही मचाई।** ½
- **रूस के साथ चीन के मतभेद हो गए और उसने अपने विशेषज्ञों को वापस बुला लिया।** ½

3

30. निम्नलिखित चित्र का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए:

दिए गए चित्र की व्याख्या कीजिए और परिवर्तित उत्पादन व उपभोग रूपरेखा के परिणामस्वरूप पर्यावरण संकट की परिघटना पर टिप्पणी कीजिए।

उत्तर. तेजी से बढ़ती जनसंख्या तथा औद्योगिक क्रांति के आगमन के कारण उत्पादन और उपभोग दोनों के लिए संसाधनों की मांग, संसाधनों की पुनर्जनन दर से अधिक हो गई है। परिणामस्वरूप, पर्यावरण की अवशोषी क्षमता पर अत्यधिक दबाव पड़ा। इसके फलस्वरूप, जैसा कि ऊपर दिए गए चित्र में दर्शाया गया है, जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता में हानि और प्रदूषण जैसी समस्याएँ तीव्र हो गई हैं, जिससे एक गंभीर पर्यावरणीय संकट उत्पन्न हो गया है। 4

(पूरे उत्तर को एक साथ अंकित किया जाए)

*नोट : निम्नलिखित प्रश्न केवल **दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों** के लिए प्रश्न संख्या **30** के स्थान पर है।*

"पर्यावरण संकट एक हाल ही की परिघटना है, जो उत्पादन व उपभोग रूपरेखा में परिवर्तन का परिणाम है।" मान्य तर्क देते हुए, इस कथन की पुष्टि कीजिए।

उत्तर. पर्यावरणीय संकट एक हाल ही की परिघटना है, क्योंकि जनसंख्या विस्फोट और औद्योगिक क्रांति के आगमन के साथ, उत्पादन और उपभोग दोनों के लिए संसाधनों की मांग, संसाधनों की पुनर्जनन दर से अधिक हो गई है। परिणामस्वरूप, पर्यावरण की अवशोषी क्षमता पर अत्यधिक दबाव पड़ा, जिससे जलवायु परिवर्तन और प्रदूषण जैसी पर्यावरणीय समस्याएँ उत्पन्न हुई हैं। 4

(पूरे उत्तर को एक साथ अंकित किया जाए)

31. दिए गए आँकड़ों के आधार पर, भारत व चीन के सकल घरेलू उत्पाद (GDP) की वार्षिक वृद्धि पर टिप्पणी कीजिए।

सकल घरेलू उत्पाद की वार्षिक वृद्धि (%), 1980-2017			
देश	1980-90	2015-17	2022
भारत	5.7	7.3	7.0
चीन	10.3	6.8	3.0
पाकिस्तान	6.3	5.3	4.8

उत्तर. दिए गए आंकड़े दर्शाते हैं कि 1970 के दशक के उत्तरार्द्ध में आरम्भ की गई सुधार प्रक्रिया के बाद चीन ने आर्थिक शक्ति प्राप्त की। जब कई विकसित देशों के लिए 5% की वार्षिक वृद्धि दर को भी बनाए रखना कठिन था, तब चीन लगभग दो अंकों की वृद्धि दर बनाए रखने में सक्षम रहा था। चीन की वार्षिक वृद्धि दर 2015-17 में घटकर 6.8% और 2022 में और अधिक घटकर 3.0% रह गई। 4

जबकि; बीते समय में, भारत ने 1980 के दशक में 5.7% की संतोषजनक वृद्धि दर बनाए रखी थी, वहीं उसने 2015-17 और 2022 में क्रमशः 7.3% और 7.0% की वार्षिक सकल घरेलू उत्पाद (GDP) वृद्धि दर दर्ज करके उल्लेखनीय प्रगति दिखाई है।

(पूरे उत्तर को एक साथ अंकित किया जाए)

32. (क) रेयांश एक विद्यालय में, एक शिक्षक के रूप में कार्यरत है। उसे एक निश्चित मासिक वेतन, सामाजिक सुरक्षा लाभ, सवेतन अवकाश व चिकित्सा भत्ते के लाभ प्राप्त होते हैं। उसका मित्र मोहन एक छोटी-सी खिलौने की दुकान में कार्यरत है। उसकी बहुत अल्प आय है, उसके पास भविष्य निधि, सवेतन अवकाश या स्वास्थ्य बीमा जैसी कोई भी सुविधा उपलब्ध नहीं है।

रेयांश व मोहन जिन क्षेत्रों में कार्यरत हैं, उनके प्रकारों को वर्गीकृत कीजिए तथा दोनों क्षेत्रों के मध्य अंतर को उजागर कीजिए।

उत्तर. रेयांश औपचारिक क्षेत्र में कार्य कर रहा है। ½

जबकि, मोहन अनौपचारिक क्षेत्र में कार्य कर रहा है। ½

औपचारिक क्षेत्र में सभी सार्वजनिक क्षेत्र के प्रतिष्ठान तथा वे निजी क्षेत्र के प्रतिष्ठान शामिल होते हैं जो 10 या उससे अधिक नियोजित श्रमिकों को रोजगार देते हैं। औपचारिक क्षेत्र के श्रमिकों को उचित वेतन तथा अन्य सामाजिक सुरक्षा लाभ जैसे पेंशन, भविष्य निधि आदि प्राप्त होते हैं। इसके अतिरिक्त, उन्हें सवेतन अवकाश और चिकित्सीय भत्ते भी मिलते हैं। 1½

जबकि;

अनौपचारिक क्षेत्र में वे निजी क्षेत्र के प्रतिष्ठान शामिल होते हैं जो 10 से कम नियोजित श्रमिकों को रोजगार देते हैं। अनौपचारिक क्षेत्र के श्रमिकों को नियमित आय और सामाजिक सुरक्षा लाभ नहीं मिलते। उन्हें बिना किसी क्षतिपूर्ति के नौकरी से निकाला जा सकता है। इसके अतिरिक्त, उन्हें सवेतन अवकाश और चिकित्सीय भत्ते भी नहीं मिलते। 1½

अथवा 4

(ख) (i) 'मानव पूँजी निर्माण' को परिभाषित कीजिए।

उत्तर: मानव पूंजी निर्माण से तात्पर्य समय की एक निश्चित अवधि के दौरान मानव पूंजी के भंडार में होने वाली वृद्धि से है। 1

(ii) मानव पूँजी निर्माण के स्रोत के रूप में 'प्रवसन पर व्यय' की व्याख्या कीजिए।

उत्तर: लोग ऐसे रोजगार के अवसरों की तलाश में 'प्रवसन करते हैं जो उन्हें अधिक आय प्रदान करते है। तकनीकी रूप से योग्य व्यक्ति जैसे इंजीनियर और डॉक्टर, अधिक आय और बेहतर अवसरों के लिए अन्य क्षेत्रों में प्रवसन करते हैं। प्रवसन में परिवहन की लागत, उच्च जीवन-निर्वाह लागत तथा सामाजिक-सांस्कृतिक परिवेश में परिवर्तन से उत्पन्न मानसिक (psychic) लागते भी शामिल होती हैं। 3

यद्यपि, नए स्थान पर बढ़ी हुई आय, प्रवसन की लागतों से अधिक होती है; इसलिए, प्रवसन पर किया गया व्यय मानव पूंजी निर्माण का एक स्रोत है।

(पूरे उत्तर को एक साथ अंकित किया जाए)

4

33. (क) (i) "औद्योगिक नीति संकल्प (IPR), 1956 ने सभी उद्योगों को राज्य के स्वामित्व व नियंत्रण पर आधारित विभिन्न श्रेणियों में वर्गीकृत किया था।"

	क्या आप उपर्युक्त कथन से सहमत हैं? अपने उत्तर के समर्थन में मान्य कारण दीजिए। **उत्तर. हाँ । औद्योगिक नीति संकल्प (IPR), 1956 उद्योगों को तीन श्रेणियों में वर्गीकृत करता है:** • **प्रथम श्रेणी में वे उद्योग शामिल थे जिनका स्वामित्व पूर्णतः सरकार के पास था।** • **दूसरी श्रेणी में वे उद्योग शामिल थे जिनमें निजी क्षेत्र, सार्वजनिक क्षेत्र के प्रयासों में सहायक हो सकते थे, यद्यपि नए उपक्रमों की स्थापना की पूर्ण जिम्मेदारी सरकार की थी।** • **तीसरी श्रेणी में वे शेष उद्योग शामिल थे जो निजी क्षेत्र में होने थे। यद्यपि, इन उद्योगों को लाइसेंस प्रणाली के माध्यम से राज्य के नियंत्रण में रखा गया था।** (ii) "1991 के आर्थिक सुधारों ने भारतीय कृषि क्षेत्र पर प्रतिकूल प्रभाव डाला था।" क्या आप उपर्युक्त कथन से सहमत हैं? अपने उत्तर के समर्थन में मान्य कारण दीजिए। **उत्तर. हाँ। सुधार प्रक्रिया के कारण कृषि क्षेत्र पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा, क्योंकि:** • **कृषि क्षेत्र में विशेषकर सिंचाई, बिजली आदि जैसी आधारभूत अवसंरचना में सार्वजनिक निवेश कम हो गया।** • **उर्वरक सहायिकी (सब्सिडी) में कमी से उत्पादन लागत बढ़ गई, जिससे छोटे व सीमांत किसान प्रभावित हुए।** • **उदारीकरण व आयात शुल्कों में कमी के कारण अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा बढ़ गई।** **(अन्य कोई प्रासंगिक कारण के लिए भी अंक प्रदान किए जाए)**	1 1 1 1 1 1
	अथवा	**6**
(ख)	(i) "भारत सरकार चालू वित्त वर्ष में भारतीय जीवन बीमा निगम (LIC) में अपनी हिस्सेदारी को और अधिक विनिवेश में ला सकती है।" 1991 के उपरांत आर्थिक सुधारों के आलोक में, सरकार द्वारा उठाए गए कदमों की पहचान कीजिए और परिभाषित कीजिए। **उत्तर. सरकार ने भारतीय जीवन बीमा निगम (LIC)) के मामले में विनिवेश की नीति को लागू किया है।** **विनिवेश का तात्पर्य सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (PSEs) के निजीकरण से है, जिसमें सरकार द्वारा PSEs के आंशिक शेयरों को जनता को बेच दिया जाता है।** (ii) "भारत ने नियोजन अवधि के दौरान अंतर्मुखी व्यापार रणनीति अपनाई थी।" (I) इस नीति को अपनाने के पीछे के किन्हीं दो कारणों का उल्लेख कीजिए। **उत्तर. अंतर्मुखी व्यापार रणनीति का उद्देश्य था:** • **आयातों को घरेलू उत्पादन से प्रतिस्थापित करना।** • **विदेशी मुद्रा की बचत करना।** **(अन्य कोई प्रासंगिक कारण के लिए भी अंक प्रदान किए जाए)** (II) ऐसे किन्हीं दो तरीकों का संक्षेप में वर्णन कीजिए जिनमें सरकार ने इस नीति को लागू किया था। **उत्तर. सरकार ने इस नीति को प्रशुल्क तथा कोटा द्वारा लागू किया:** • **प्रशुल्क (Tariffs) आयातित वस्तुओं पर लगाया जाने वाला कर है। यह आयातित वस्तुओं को महँगा बनाते हैं और उनके उपयोग को हतोत्साहित करते हैं।** • **कोटा (Quotas) वस्तुओं की उस मात्रा को निर्धारित करता है जिसे आयात किया जा सकता है। इसे आयात को सीमित करने और घरेलू फर्मों को विदेशी प्रतिस्पर्धा से बचाने के लिए लगाया जाता है।**	1 1 ½ ½ 1 ½ 1 ½
		6
34.	निम्नलिखित गद्य को ध्यानपूर्वक पढ़िए: **परंपरागत कृषि विकास योजना (PKVY)** परंपरागत कृषि विकास योजना (PKVY) का उद्देश्य जैविक कृषि को प्रोत्साहित करना है, जिसके परिणामस्वरूप मृदा स्वास्थ्य में सुधार होता है। यह 'भागीदारी गारंटी प्रणाली - भारत' (PGS - India) को प्रोत्साहित करता है, जो एक सरल प्रमाणन प्रणाली है, जहाँ कृषक व उपभोक्ता सीधे प्रक्रिया में भाग लेते हैं।	

	इस योजना में 2025 - 26 तक अतिरिक्त 6,00,000 हेक्टेयर क्षेत्र को जैविक कृषि के अंतर्गत लाने का प्रस्ताव है। इसका उद्देश्य पर्यावरण-अनुकूल, अल्प-लागत वाली तकनीकों को अपनाकर रसायनों व कीटनाशक अपशिष्टों से मुक्त कृषि उत्पादों का उत्पादन करना है। परंपरागत कृषि विकास योजना (PKVY) के प्रमुख केन्द्र-बिंदु क्षेत्र हैं : • प्राकृतिक संसाधन आधारित एकीकृत व जलवायु अनुकूल धारणीय कृषि प्रणाली को प्रोत्साहन देना, जिससे मृदा उर्वरता का रखरखाव व वृद्धि, प्राकृतिक संसाधन संरक्षण, कृषि पोषक-तत्त्वों का पुनः-चक्रण व बाह्य आगतों (कारकों) पर निर्भरता को न्यूनतम करना सुनिश्चित हो सके। • धारणीय जैविक पद्धतियों के माध्यम से कृषि लागत को कम करना तथा कृषकों की आय में वृद्धि करना। • मानव उपभोग के लिए रसायन-मुक्त व पौष्टिक भोजन प्रदान करना। • अल्प-लागत वाली, पारंपरिक व कृषक-अनुकूल प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके पर्यावरण की सुरक्षा करना। • स्थानीय व राष्ट्रीय बाज़ारों के साथ प्रत्यक्ष बाज़ार संपर्क के माध्यम से कृषकों को उद्यमी बनने में सहायता करना। उपर्युक्त गद्य तथा सामान्य ज्ञान के आधार पर, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : (i) जैविक कृषि को परिभाषित कीजिए। जैविक कृषि के किन्हीं दो लाभों की व्याख्या कीजिए।	
	उत्तर. जैविक कृषि एक ऐसी कृषि प्रणाली है जो पारिस्थितिक संतुलन को पुनर्स्थापित करती है,उसे बनाए रखती है और सुदृढ़ करती है।	1
	जैविक खेती के दो लाभ: • **जैविक रूप से उगाये गए भोज्य पदार्थ रासायनिक खेती की तुलना में अधिक पौष्टिक होते हैं।**	1
	• **जैविक कृषि, महंगे कृषि आगतों के स्थान पर स्थानीय रूप से उत्पादित सस्ते जैविक आगतों का उपयोग करने का अवसर प्रदान करती है।** **(अन्य कोई प्रासंगिक लाभ के लिए भी अंक प्रदान किए जाए)**	1
	(ii) जैविक कृषि में परंपरागत कृषि विकास योजना (PKVY) के किन्हीं दो महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों की व्याख्या कीजिए। **उत्तर. परंपरागत कृषि विकास योजना (PKVY) के दो प्रमुख क्षेत्र हैं:** • **धारणीय जैविक पद्धतियों के माध्यम से कृषि लागत को कम करना तथा कृषकों की आय में वृद्धि करना।**	1½
	• **मानव उपभोग के लिए रसायन-मुक्त व पौष्टिक भोजन प्रदान कराना।** **(अन्य कोई प्रासंगिक क्षेत्र के लिए भी अंक प्रदान किए जाए)**	1½
		6

* * *